एसडी कॉलेज जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को मिले बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

चंडीगढ़, 31 जनवरी (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेजोनेंस क्लब द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपी आर): आइडियाज क्यों मायने रखते हैं' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी (सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, इन/पीए 4840) ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है। दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पेटेंट योग्य और नॉन-पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में उपलब्ध और उभरते करियर अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया। इस व्याख्यान में यूजी और पीजी स्तर के लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए केमिस्ट्री विभाग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. जसामृत नय्यर द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

एसडी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए प्रबंधक।

अजीत समाचार
01-Feb-2026
Page: 6
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20260201/20/6/1_1.cms

Arth Parkash 1-2-26

एसडी कॉलेज में आईपीआर पर जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को मिले बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर)= आइडियाज़ क्यों मायने रखते हैं' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था।

इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी (सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, इन/पीए 4840) ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है।

दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पेटेंट योग्य और नॉन-पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में उपलब्ध और उभरते करियर अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया।

इस व्याख्यान में यूजी और पीजी स्तर के लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए केमिस्ट्री विभाग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. जसामृत नय्यर द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

एसडी कॉलेज में छात्रों को मिले बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स आइडियाज़ क्यों मायने रखते हैं' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है। दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पेटेंट योग्य और नॉन-पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई।

Chandigarh Bhaskar 1-2-26

स्टूडेंट्स को इनोवेशन व पेटेंट की जानकारी दी

चंडीगढ़| जीजीडीएसडी कॉलेज-32 के केमिस्ट्री विभाग के रेजोनेंस क्लब ने पीएम-उषा स्कीम के तहत स्टूडेंट्स के लिए इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर अवेयरनेस लेक्चर आयोजित किया। कार्यक्रम का मकसद स्टूडेंट्स को इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के महत्व और रिसर्च-इनोवेशन में उनकी भूमिका समझाना था।

गवर्नमेंट रजिस्टर्ड पेटेंट एजेंट डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी ने कीनोट स्पीकर के रूप में स्टूडेंट्स को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट जैसे आईपीआर के अलग-अलग रूप समझाए। उन्होंने बताया कि आइडियाज की कानूनी सुरक्षा रिसर्च और स्टार्टअप कल्चर को मजबूत बनाती है व युवाओं को नई खोज के लिए प्रेरित करती है।

छात्रों को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए कोड टू इंटेलिजेंस वर्कशॉप आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग द्वारा पीएम-उषा स्कीम के तहत ह्लकोड टू इंटेलिजेंसह्व विषय पर एक टेक्निकल हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप का उद्देश्य प्रतिभागियों को इंटेलिजेंट कोडिंग के नवीनतम तरीकों से अवगत कराना था, ताकि अकादमिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच के अंतर को कम किया जा सके। वर्कशॉप के दौरान छात्रों को रियल-वर्ल्ड डेवलपमेंट अप्रोच, उभरते तकनीकी ट्रेंड्स और प्रैक्टिकल एप्लीकेशंस की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने उदाहरणों के माध्यम से छात्रों में इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स विकसित करने पर विशेष जोर दिया। वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीना के साथ वक्ताओं को पौधे भेंट कर किया। इस अवसर पर डॉ. अजय शर्मा ने छात्रों को एनालिटिक्स से जुड़े कौशल अर्जित करने के लिए प्रेरित किया और एआई आधारित निर्णय-निर्माण प्रणालियों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस तरह का रोचक और चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आयोजन सचिव डॉ. पूजा मोहन और डॉ. अर्चना गोयल के प्रयासों की भी सराहना की। सत्र का संचालन सनफोकस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की ट्रेनिंग हेड दमनप्रीत कौर तथा सीनियर टेक्निकल लीड (वेब एवं मोबाइल) हृदय कुमार ने किया। ट्रेनिंग एवं लर्निंग इनिशिएटिव्स के क्षेत्र में 25 से अधिक वर्षों का अनुभव रखने वाली दमनप्रीत कौर को छात्रों एवं प्रोफेशनल्स के मार्गदर्शन, प्रशिक्षण टीमों के प्रबंधन तथा कॉरपोरेट प्लेसमेंट के समन्वय में विशेष विशेषज्ञता प्राप्त है। वहीं, हृदय कुमार ने कम्युनिटी प्लेटफॉर्म, फाइनेंस, हेल्थकेयर तथा एआई आधारित प्रणालियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बड़े स्तर के वेब और मोबाइल एप्लीकेशंस के विकास का नेतृत्व किया है। अपने सत्र के दौरान रिसोर्स पर्सन ने आधुनिक वेब एवं एप्लीकेशन डेवलपमेंट प्रैक्टिसेज का व्यापक परिचय प्रस्तुत किया। सत्र में फुल स्टैक आर्किटेक्चर की मूल अवधारणाओं, प्रचलित फ्रेमवर्क्स तथा इंडस्ट्री में उपयोग की जा रही प्रमुख फ्रंटएंड और बैकएंड टेक्नोलॉजीज पर विस्तार से चर्चा की गई।

Dainik Jagran 2-2-26

छात्रों को दी बौद्धिक संपदा अधिकारों की जानकारी

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेजोनेंस क्लब ने पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया। इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर): आइडियाज क्यों मायने रखते हैं, इसका विषय था।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका की जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. जसामृत नय्यर की ओर से औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया। संवाद

एसडी कॉलेज में आईपीआर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को मिले बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर)= आइडियाज़ क्यों मायने रखते हैं' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था।

इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी (सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, इन/पीए 4840) ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल

भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है।

दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पेटेंट योग्य और नॉन-पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में उपलब्ध और उभरते करियर अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया।

इस व्याख्यान में यूजी और पीजी स्तर के लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

Divya Himachal 1-2-26

एसडी कालेज में स्पेशल लेक्चर

सेक्टर-32 में विशेषज्ञों ने छात्रों से साझा किए विचार

चंडीगढ़। चीफ गेस्ट डाक्टर श्रीपर्णा बनर्जी के साथ मौजूद छात्राएं

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब द्वारा पीएम उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स आईपीआर आइडियाज़ क्यों मायने रखते हैं विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी. भूमिका से अवगत कराना था। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डा. श्रीपर्णा बनर्जी सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइटए ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है। दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें पेटेंट योग्य और नॉन.पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई।

एसडी कालेज में स्पेशल लेक्चर

सेक्टर-32 में विशेषज्ञों ने छात्रों से साझा किए विचार

चंडीगढ़। चीफ गेस्ट डाक्टर श्रीपर्णा बनर्जी के साथ मौजूद छात्राएं

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब द्वारा पीएम उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स आईपीआर आइडियाज़ क्यों मायने रखते हैं विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डा. श्रीपर्णा बनर्जी सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइटए ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है। दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें पेटेंट योग्य और नॉन.पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई।

आईपीआर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को मिले बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर): आइडियाज़ क्यों मायने रखते हैं' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था।

इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी (सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, इन/पीए 4840) ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है।

दूसरे सत्र में पेटेंट योग्य और नॉन-पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में उपलब्ध और उभरते करियर अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया। इस व्याख्यान में यूजी और पीजी स्तर के लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए केमिस्ट्री विभाग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. जसामृत नय्यर द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

एसडी कॉलेज में आईपीआर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को मिले बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग के रेजोनेंस क्लब द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से ह्यइंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर): आइडियाज क्यों मायने रखते हैंह्ल विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था।

इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी (सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, इन/पीए 4840) ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है।

दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पेटेंट योग्य और नॉन-पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में उपलब्ध और उभरते करियर अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया।

इस व्याख्यान में यूजी और पीजी स्तर के लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए केमिस्ट्री विभाग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. जसामृत नय्यर द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

Resonance club sensitizes students on 'Intellectual Property Rights' under PM USHA scheme

Chandigarh: Resonance Club, Department of Chemistry, GGDSD College, sector 32-C, Chandigarh organized a lecture sensitizing students on the topic 'Intellectual Property Rights (IPR): Why Ideas Matter' under PM USHA Scheme on 30th January, 2026.

The invited speaker was Dr. Sriparna Banerjee (Govt. registered patent agent In Pa 4840). She highlighted the importance of IPR in innovation and research and explained different types of IPR like copyright, trademark, trade secrets etc.

The second session focused in detail on patents, covering patentable and non-patentable inventions, key differences between Indian and US patent laws, and the timeline and roadmap of the patent grant process.

The session also provided insights into existing and emerging career opportunities in the field of intellectual property. Around 60 participants, both UG and PG students attended this lecture. Principal, Dr Ajay Sharma appreciated the Department of Chemistry for successful execution of this event.

The event was concluded with a formal vote of thanks by Dr. Jasamrit Nayyar, Head of Chemistry Department.

Punjab Kesari 2-2-26

आई.पी.आर. पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को दिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए। *(परमजीत)*

चंडीगढ़, 1 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कैमिस्ट्री विभाग के रेजोनेंस क्लब द्वारा पी.एम.-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स आइडियाज क्यों मायने रखते हैं विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी ने आई.पी.आर. की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पैटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है।

दूसरे सत्र में पैटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पैटेंट योग्य और नॉन-पैटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पैटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में उपलब्ध और उभरते करियर अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया। इस व्याख्यान में यू.जी. और पी.जी. स्तर के लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए केमिस्ट्री विभाग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. जसामृत नय्यर द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।